



आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई
2022



एसएचजी/नाम	:	लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम	:	खरलोह
एफटीयू/रेंज	:	जय देवी
डीएमयू/मंडल	:	सुकेत
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल	द्वारा तैयार:- डीएमयू सुकेत, एफटीयू जय देवी और लक्ष्मी एसएचजी
---------------------------------------	--

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-6
गांव का भौगोलिक विवरण	6
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
उत्पादन योजना का विवरण	7
विपणन /बिक्री का विवरण	7-8
अर्थशास्त्र का विवरण	8-9
वित् की आवश्यकता	10
निगरानी विधि	11
टिपणी	11
व्यवसाय योजना स्केटर् एवं जुराब बुनाई	12
कार्यकारी सारांश	12
खर्चों की जानकारी	12-13
उत्पादन की लागत	13
परियोजना की कुल लागत	14
अनुलग्नक	15

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और पर्यटन यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते हैं ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशः उत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी व्यास और सतलुज नदियाँ मुख्य जीवन रेखा हैं।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर व्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और यह अधिक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

खरलोह वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, "लक्ष्मी" स्वयं सहायता समूह, कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई से संबंधित है। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञान केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ, कार्यालय वनमंडल सुकेत, चमन ठाकुर, वन परिक्षेत्र अधिकारी, जय देवी, नम्रता ठाकुर, फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर जय देवी वन परिक्षेत्र, श्री अंकुश वन रक्षक, घिड़ी बीट और नरेन्द्र कुमार, वनखंड अधिकारी, वन खंड जय देवी, शामिल रहे जिसमें वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में विशेष योगदान रहा।

कार्यकारी सारांश

खरलोह वन ग्रामीण विकास समिति:-

खरलोह ग्रामीण वन विकास समिति राजस्व मुहाल खरलोह का हिस्सा है और वन विकास समिति खरलोह का गठन ग्राम पंचायत घिड़ी में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के सुंदर नगर ब्लॉक में स्थित है और 31°29'01.70" उत्तर अक्षांश- 76°59'29.25" पूर्व देशांतर के बीच स्थित है। खरलोह ग्रामीण वन विकास समिति सुकेत वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) में जय देवी वन रेंज के अंतर्गत जय देवी ब्लॉक के घिड़ी बीट के अंतर्गत आता है।

ग्रामीण वन विकास समिति की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

यह क्षेत्र पनीर, बेमौसमी सब्जियां, मटर, अनारदाना और अखरोट के लिए प्रसिद्ध है।

परिवारों की संख्या	127
बीपीएल परिवार	25 =19.68%
कुल जनसंख्या	493
कुल मवेशी	502

स्वयं सहायता समुह का विवरण

लक्ष्मी स्वयं सहायता समुह का गठन जुलाई 2022 में खरलोह वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार में सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान महिलाएं शामिल हैं। लक्ष्मी स्वयं सहायता समुह महिला समूह (आठ महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बुनाई जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 08 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह प्रति सदस्य है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-



समूह के सदस्य फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर जय देवी के साथ

फोटो के साथ स्वयं सहायता समूह सदस्यों का विवरण

क्र.स.	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	सीमा देवी	प्रधान	SC	24	+2	86298 17446
2.	अनिता	सचिव	Gen.	19	+2	80911 51649
3.	उर्मिला देवी	सदस्य	Gen.	45	8 th	75597 22104
4.	सुरेन्द्रा देवी	सदस्य	SC	41	5 th	83520 46404
5.	उर्मिला देवी	सदस्य	Gen.	31	10 th	981730 7136
6.	कौशल्या देवी	सदस्य	SC	45	+2	94182 19683
7.	बन्ती देवी	सदस्य	SC	50	5 th	82639 98640
8.	सरला देवी	सदस्य	SC	48	5 th	82787 20190



सीमा देवी (प्रधान)



अनिता (सचिव)



सुरेन्द्रा देवी (सदस्य)



उर्मिला देवी (सदस्य)



उर्मिला देवी (सदस्य)



कौशल्या देवी (सदस्य)



बन्ती देवी (सदस्य)



सरला देवी (सदस्य)

लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह खरलोह

एसएचजी का नाम	::	लक्ष्मी
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	खरलोह
परिक्षेत्र	::	जय देवी
वन मण्डल	::	सुकेत
गांव	::	खरलोह
खंड	::	सुंदर नगर
ज़िला	::	मंडी
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	08
गठन की तिथि	::	जुलाई 2022
बैंक का नाम और विवरण	::	HPGB ROHANDA IFSC Code: PUNB0HPGB04
बैंक खाता संख्या	::	87311300000731
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.800/-माह
कुल बचत	::	3200/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	57 किमी
मेन रोड से दूर	:	03 किमी (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार और दूसरे बाज़ार का नाम	:	सुंदर नगर 32 किमी, मंडी 57 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	:	सुंदर नगर 32 किमी, मंडी 57 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	:	सुंदरनगर, मंडी
बैंकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	:	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतुष्टि बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बुनाई से उनकी आय में वृद्धि होगी इसलिए इस गतिविधि को समूह ने चुना।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	अन्तर्निहित गांव – खरलोह
	::	आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
सिलाई मशीन	8	8000	64000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
मोटर संचालित मशीन	1	15000	15000
एम्ब्रिडरी मशीन	1	15000	15000
दर्जी कैंची	10	400	4000
सिलाई रूलर (फीता) सेट	10	600	6000
सिलाई दर्जी Tape	10	100	1000
आयरन प्रेस	2	500	1000
अलमारी	3-4	लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			122800

बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000

कुल आवर्ती लागत (बी)	7800
----------------------	------

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	1050
कुल	8850

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	1050
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8850)	28650
शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	122800	61400	61400
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	180600	111400	69200

ध्यान दें-

- पूंजीगत लागत - परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 50%
- आवर्ती लागत - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित्त स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	<ul style="list-style-type: none">• पूंजीगत लागत का 75 % मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा।• SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे।• प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	<ul style="list-style-type: none"><input type="checkbox"/> पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा।<input type="checkbox"/> स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी:

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधी स्वेटर एवं जुराब बुनाई है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप मे समीक्षा मिशन के समय लिया गया,है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधी सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना
लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह
द्वारा
स्वैटर एवं जुराब बुनाई

कार्यकारी सारांश

स्वैटर एवं जुराबें उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगों को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण स्वैटर और जुराबें उत्पादन कम खर्च पर करके अपनी आजीविका बढ़ा सकते हैं। इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ौतरी कर सकते हैं। लेकिन इस गतिविधि को ग्रामीण क्षेत्रों में चलाने में समस्या यह है कि गांव में स्वैटर व जुराबें उत्पादन पारम्परिक तरीके से हो रहा है। जिससे उत्पादन काफी कम हो रहा है। इस समस्या को दूर करने के लिए तथा कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिए उन्नत किस्म की बुनाई मशीनें नई वैज्ञानिक तकनीक से तैयार की हैं। जिनसे गांव के लोग अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं और आय अर्जित कर सकते हैं।

खर्चों की जानकारी : -

पूंजी लागत			
विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (र.)
बुनाई मशीन	02	8000	16,000
धागा रोलर	01	6000	6,000
बुनाई मशीन (कार्ड वाली)	01	50000	50,000
छोटी कैंची	05	150	750
तोल मशीन	1	2000	2,000
भंडारण बॉक्स	01	5000	5000
कुल पूंजीगत लागत =			79750

आवर्ती लागत				
विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (र.)
ऊनी धागा (ओसवाल)	किग्रा/माह	78	700	54600
2 प्लाई ऊन	किग्रा/माह	24	400	9600
अन्य (कागज़, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	1	1000	1000
आवर्ती लागत				65200

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	65200
पूँजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	700
कुल	65900

उत्पादन की लागत (प्रति माह)

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन स्वेटर = 8 न०

(यदि प्रतिदिन 3-4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह स्वेटर = 130 न०

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन जुराबें = 15 न० जोड़ी

(यदि प्रतिदिन 3-4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह = 240 न० जोड़ी

130 न० स्वेटर के लिए ऊन की आवश्यकता = 78 कि०ग्राम

ऊन का औसतन बाजार मूल्य = 54600 /-रुपये

240 जोड़ी जुराबों के लिए ऊन के धागे की आवश्यकता = 24 कि० ग्रा०

जुराब के धागे का बाजार मूल्य = 9600 /- रुपये

आय प्रतिमाह

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (स्वेटर) = 130 न०

एक स्वेटर का औसत बाजार मूल्य = 800 /- रु०

समूह की औसत आय = 104000रु०

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (जुराबें) = 240 न० जोड़ी

एक जोड़ी जुराब का औसत बाजार मूल्य = 150 /- रु०

समूह की औसत आय = 36000रु०

लाभ प्रति माह

समूह का लाभ प्रति माह = औसत आय - औसत लागत
= (104000+36000) - (54600+9600)
= 75800रुपये

लाभ प्रति माह प्रति व्यक्ति = 9475 /- रुपये

इसमें समूह के सदस्यों की मजदूरी भी सम्मिलित है

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 122800/-

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =130600/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 79750/-

आवर्ती लागत = 65200/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना के लिए कुल = 144950/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 275550/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	कटाई, सिलाई	122800	7800	92100	38500	130600
2.	स्वेटर एवं जुराब बुनाई	79750	65200	59812	85138	144950
	कुल	202550	73000	151912	123638	275550

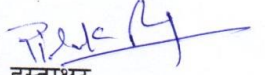
अनुलघ्नक


हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (कटई, सिलाई और स्केटर एवं) द्वारा चुना गया। पुराब बुनाई सदस्यों का विवरण इस प्रकार है


क्र.स.	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	सीमा देवी	प्रधान	SC	24	Seema Devi
2.	अनिता	सचिव	Gen.	19	Anita
3.	उर्मिला देवी	सदस्य	Gen.	45	उर्मिला देवी
4.	सुरेखा देवी	सदस्य	SC	41	सुरेखा देवी
5.	उर्मिला देवी	सदस्य	Gen.	31	Urmila Devi
6.	कौशल्या देवी	सदस्य	SC	45	कौशल्या देवी
7.	बंती देवी	सदस्य	SC	50	बंती देवी
8.	सरला देवी	सदस्य	SC	48	सरला देवी
9.					
10.					
11.					
12.					
13.					
14.					
15.					
16.					


हस्ताक्षर Anita
सचिव स्वयं सहायता समूह


हस्ताक्षर Seema Devi
प्रधान स्वयं सहायता समूह

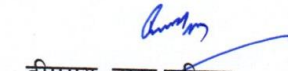

हस्ताक्षर
सचिव, वन ग्रामीण विकास
समिति


हस्ताक्षर
प्रधान, वन ग्रामीण विकास
समिति


हस्ताक्षर
वन रक्षक


हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी


हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी
वन परिक्षेत्र अधिकारी
जय देवी वन परिक्षेत्र


डीएमयू द्वारा स्वीकृत
Divisional Forest Officer
Suket Forest Division
Sunder Nagar (H.P.)